eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED JOURNAL
Volume 08, Issue 02, July 2025

उच्च शिक्षा में सोशल मीडिया की भूमिका

नेहा सक्सेना[1] एवं प्रो0 स्वाति सक्सेना[2]
[1]शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र, सी0एस0जे0एम0वि0वि0 कानपुर उ0प्र0
[2]प्रभारी–शिक्षाशास्त्र दयानन्द गर्ल्स पी0जी0 कॉलेज, कानपुर

Received: 20 July 2025, Accepted: 25 July 2025, Published with Peer Reviewed on line: 31 July 2025

Abstract

21वीं शताब्दी में उच्च शिक्षा स्तर पर सोशल मीडिया की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गई है। सोशल मीडिया ने शिक्षा को अत्यधिक सुविधाजनक व आकर्षक बना दिया है। सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षक और छात्र आपस में जुड़ सकते हैं, जानकारी साझा कर सकते हैं। सोशल मीडिया उन छात्रों के लिए भी सहायक है, जो नियमित रूप से कक्षा में जाने से असमर्थ हैं। अतः हम कह सकते हैं कि सोशल मीडिया शिक्षा का सार्वभौमीकरण करने में सहायक है। सोशल मीडिया ने छात्रों के लिए समय स्थान की बाध्यता को खत्म कर दिया है। छात्र निःसंकोच अपनी समस्याओं का समाधान सोशल मीडिया पर प्राप्त कर पाते हैं। सोशल मीडिया शिक्षकों को भी अध्यापन की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायता प्रदान कर सकता है। सोशल मीडिया ज्ञान का वैश्वीकरण करने में भी सहायक है। सोशल मीडिया विशेषज्ञों और शिक्षकों को अपने ज्ञान को विश्व भर में साझा करने में मदद करता है। उच्च शिक्षा जहां विद्यार्थी स्वगति व स्वेच्छा से अपनी शिक्षा ग्रहण करता है। सोशल मीडिया की सहायता से वह अपनी जिज्ञासा व समस्याओं का समाधान करते हुए अपनी तर्क क्षमता व बुद्धि से ज्ञान प्राप्त कर सकता है। सोशल मीडिया द्वारा छात्र स्वमूल्यांकन भी कर सकते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि सोशल मीडिया छात्रों को शिक्षा में सहायता पहुंचाने में मदद कर रहा है।

मुख्य शब्द :– उच्च शिक्षा, सोशल मीडिया, तकनीकी, छात्र–छात्रायें, शिक्षक।

Introduction

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभरा है। यह न केवल छात्रों और शिक्षकों के बीच संवाद और सहयोग को सशक्त करता है, बल्कि शिक्षण–प्रशिक्षण की पारंपरिक विधाओं में नवाचार भी लाता है। फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, लिंक्डइन, और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म सूचना साझा करने, ऑनलाइन लर्निंग, और वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्किंग के लिए प्रभावशाली साधन बन चुके हैं। सोशल मीडिया से उच्च शिक्षा में इंटरैक्टिव लर्निंग, ई–रिसोर्सेज की उपलब्धता, वर्चुअल क्लासरूम और ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज की पहुँच में वृद्धि हुई है। हालांकि, इसके दुरुपयोग, ध्यान भटकाने और सूचना की विश्वसनीयता जैसे कुछ गंभीर मुद्दे भी हैं। इस शोध पत्र में उच्च शिक्षा में सोशल मीडिया की भूमिका, उसके लाभ, चुनौतियाँ तथा सुधार की संभावनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

शोध का उद्देश्य

- उच्च शिक्षा में सोशल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण।
- छात्रों और शिक्षकों के दृष्टिकोण को समझना।
- सोशल मीडिया के लाभ और सीमाओं की पहचान।

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED JOURNAL
Volume 08, Issue 02, July 2025

- प्रभावी उपयोग हेतु नीति संबंधी सुझाव देना।

सोशल मीडिया शिक्षा में एक नई मीडिया तकनीक है जो विभिन्न विषयों पर आपके दृष्टिकोण का विस्तार कर सकती है यह आपको उन विषयों पर समाधान खोजने के लिए विशेषज्ञों से जुड़ने का अवसर देता है, जिनकी आपको सहायता की आवश्यकता हो सकती है। सीखने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के बारे में मुख्य बातें यह है कि आपको जल्द ही पता चल जाता है कि विभिन्न क्षेत्रों और विषयों में विशेषज्ञ कौन है। जब आप इन विशेषज्ञों का अनुसरण करना शुरू करते हैं तो आप उनसे अधिक और अतिरिक्त सहायता प्राप्त कर सकते हैं। यह आपको अविश्वसनीय परिणाम देने में सक्षम बनाता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अक्सर कोई ना कोई व्यक्ति उत्तर देने के लिए हमेशा मौजूद रहता है, क्योंकि भौगोलिक कारण अधिकांश सोशल नेटवर्किंग साइटों को प्रतिबंधित नहीं करते हैं विभिन्न सोशल मीडिया वेबसाइटों के आगमन के कारण एनीटाइम कनेक्टिविटी संभव हो गई है।

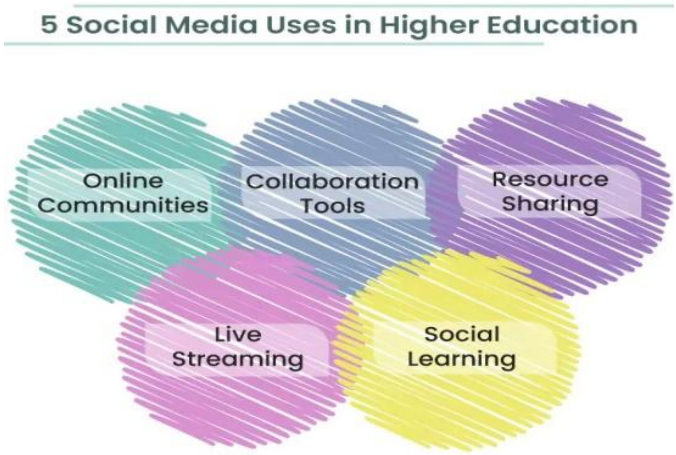

ऑनलाइन समुदाय :– छात्र और शिक्षक फेसबुक और लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदान किए जाने वाले विभिन्न ऑनलाइन समुदायों के माध्यम से अपने क्षेत्र में दूसरों से जुड़ सकते हैं और उनके साथ काम कर सकते हैं। ये ऑनलाइन समुदाय विचारों के आदान–प्रदान, विद्वानों की चर्चा और पेशेवर नेटवर्किंग के लिए एक स्थान प्रदान करते हैं।

सहयोग उपकरण :– उच्च शिक्षा में उत्पादकता और टीमवर्क को बेहतर बनाने के लिए गूगल ड्राइव, ड्रॉपबॉक्स और एवरनोट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विभिन्न सहयोग उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है। ये उपकरण शिक्षकों और छात्रों को परियोजनाओं पर सहयोग करने, फाइलें साझा करने और एक–दूसरे को वास्तविक समय पर प्रतिक्रिया देने की अनुमति देते हैं।

संसाधन साझा करना :– सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके शैक्षिक संसाधनों और सामग्रियों को प्रभावी ढंग से साझा किया जा सकता है। शिक्षक और छात्र वीडियो, लेख और अन्य संसाधनों को साझा करने और नोट्स और अन्य अध्ययन सामग्री का आदान–प्रदान करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं।

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED JOURNAL
Volume 08, Issue 02, July 2025

लाइव स्ट्रीमिंग :– शिक्षकों के लिए YouTube और Facebook स्पअम जैसे लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए अपने छात्रों को लाइव व्याख्यान और ट्यूटोरियल देने के कई अवसर हैं। यह उन छात्रों के लिए विशेष रूप से मददगार हो सकता है जो दूरदराज के इलाकों में रहते हैं या व्यक्तिगत रूप से कक्षा में नहीं जा सकते हैं।

सामाजिक शिक्षा :– सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक अवसर उपलब्ध हैं, जो छात्रों की प्रेरणा और सहभागिता को बढ़ा सकते हैं। शिक्षक छात्रों की भागीदारी और टीमवर्क को प्रोत्साहित करने के लिए ऑनलाइन टेस्ट, गेम और अन्य इंटरैक्टिव गतिविधियों को सेट करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर सकते हैं। कई शिक्षकों को लगता है कि सोशल मीडिया का उपयोग उनके काम को आसान बनाता है। यह शिक्षक को उसकी योग्यता कौशल और ज्ञान का विस्तार और अन्वेषण करने में भी मदद करता है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आयोजित कक्षाएं अधिक अनुशासित और संरचित हैं क्योंकि वे जानते हैं कि हर कोई इसे देख रहा है। सोशल मीडिया छात्रों को ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई कई शिक्षण सामग्रियों के माध्यम से अपने ज्ञान को बढ़ाने में मदद करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से, छात्र वीडियो और चित्र देख सकते हैं, समीक्षा देख सकते हैं और लाइव प्रक्रियाओं को देखते हुए अपने संदेह को तुरंत सोल्व कर सकते हैं। न केवल छात्र, बल्कि शिक्षक भी इन उपकरणों और शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग करके अपने व्याख्यान को अधिक रोचक बना सकते हैं।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म उच्च शिक्षा में विभिन्न तरीकों से कार्य करते हैं :–

21वीं सदी में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के तीव्र विकास ने मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है, विशेषकर शिक्षा को। पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में जहाँ शिक्षक और छात्र का संबंध सीमित कक्षा–कक्ष तक होता था, वहीं आज का शिक्षण–अधिगम संबंध सोशल मीडिया के माध्यम से एक वैश्विक संवादात्मक और सहभागितापूर्ण मंच में परिवर्तित हो चुका है। सोशल मीडिया न केवल संवाद और नेटवर्किंग का साधन रह गया है बल्कि यह ज्ञान–प्राप्ति विचार–विनिमय और सामूहिक अधिगम का एक प्रभावशाली उपकरण भी बन गया है। आज के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र Facebook समूहों में नोट्स साझा करते हैं WhatsApp पर त्वरित संवाद करते हैं YouTube के माध्यम से पाठ्यसामग्री का ऑडियो–विजुअल अधिगम करते हैं और LinkedIn के जरिए व्यावसायिक अवसरों की खोज करते हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षक भी इन प्लेटफॉर्मों का प्रयोग शैक्षणिक सामग्री साझा करने विद्यार्थियों के साथ सतत संपर्क बनाए रखने और अधिगम प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक और संवादात्मक बनाने में कर रहे हैं।

हालांकि, सोशल मीडिया के उपयोग से उत्पन्न होने वाले दुष्प्रभावों की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। साइबरबुलिंग सूचना की अधिकता, और एकाग्रता में बाधा जैसी समस्याएँ भी इससे जुड़ी हुई हैं। इस संदर्भ में यह शोध पत्र उच्च शिक्षा में सोशल मीडिया की भूमिका का समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत करता है, जिसमें इसके लाभ चुनौतियाँ और संभावित समाधान शामिल हैं। शोध का उद्देश्य यह समझना है कि किस प्रकार सोशल मीडिया का जिम्मेदार और रणनीतिक उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा दे सकता है।

WhatsApp, Facebook, YouTube, Google Classroom, Telegram तथा LinkedIn जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आज केवल संवाद के माध्यम नहीं रह गए हैं। बल्कि ये शिक्षा के वितरण सहयोगात्मक अधिगम, और रचनात्मक अभिव्यक्ति के प्रभावी साधन बन चुके हैं। सोशल मीडिया की सहायता से छात्र ऑनलाइन अध्ययन समूह बना सकते हैं, कक्षा में पूछे न जा सकने वाले प्रश्नों पर चर्चा कर सकते हैं, और दूरस्थ

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED JOURNAL
Volume 08, Issue 02, July 2025

विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। यह माध्यम उन छात्रों के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करता है, जो भौगोलिक, सामाजिक या आर्थिक कारणों से पारंपरिक कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो पाते।

सोशल मीडिया ने शिक्षा को लचीला (flexible), अधिक सहभागितापूर्ण (participatory) और वैश्विक (globalized) बना दिया है। यह छात्रों में डिजिटल साक्षरता आलोचनात्मक सोच और आत्म–अभिव्यक्ति के कौशलों को भी बढ़ावा देता है। शिक्षकों के लिए यह एक ऐसा मंच है, जहाँ वे न केवल पाठ्य सामग्री साझा कर सकते हैं, बल्कि छात्रों की प्रतिक्रिया और संलग्नता का त्वरित विश्लेषण भी कर सकते हैं। इस शोध का उद्देश्य केवल सोशल मीडिया के शैक्षणिक उपयोग की पड़ताल करना नहीं है, बल्कि यह भी स्पष्ट करना है कि यह माध्यम कैसे उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, पहुँच और सहभागिता को पुनर्परिभाषित कर सकता है, बशर्ते उसका उपयोग विवेकपूर्वक और जिम्मेदारी से किया जाए। फेसबुक की सहायता से शैक्षिक समूह का उपयोग शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जैसे कि छात्रों और शिक्षकों के बीच संचार और सहयोग। फेसबुक पेजों का उपयोग शैक्षिक संस्थानों और कार्यक्रमों को प्रचारित करने के लिए किया जा सकता है। ट्विटर का उपयोग शैक्षिक चर्चाओं और विचारों के आदान–प्रदान के लिए किया जा सकता है। ट्विटर हैशटैग का उपयोग शैक्षिक विषयों पर चर्चा करने और प्रचार करने के लिए किया जा सकता है। लिंक्डइन का उपयोग पेशेवर नेटवर्किंग और करियर विकास के लिए किया जा सकता है। लिंक्डइन समूहों का उपयोग शैक्षिक और पेशेवर उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यूट्यूब का उपयोग शैक्षिक वीडियो बनाने और साझा करने के लिए किया जा सकता है। यूट्यूब का उपयोग व्याख्यान और ट्यूटोरियल साझा करने के लिए किया जा सकता है। इंस्टाग्राम का उपयोग विजुअल कंटेंट साझा करने के लिए किया जा सकता है, जैसे कि शैक्षिक पोस्टर और इन्फोग्राफिक्स। इंस्टाग्राम स्टोरीज का उपयोग शैक्षिक कहानियों और अनुभवों को साझा करने के लिए किया जा सकता है।

यदि हम शिक्षा में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को अपने फायदे के लिए अपनाने की कोशिश करें तब यह हमें सहयोगात्मक माहौल और खुले मंच को बढावा देता है। उच्च शिक्षा स्तर पर अधिकांश विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे होते हैं, सोशल मीडिया प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी में मददगार साबित हो सकता है। परीक्षा की तैयारी के दौरान आने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिए विद्यार्थी अन्य उम्मीदवारों एवं विशेषज्ञों से मिलकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। व्हाट्सएप फेसबुक आदि प्लेटफार्म पर शिक्षा संबंधी महत्वपूर्ण पीडीएफ और परीक्षा संबंधी जानकारियॉ साझा की जाती है। इन जानकारियों से न केवल विद्यार्थी न केवल जागरूक रहते है बल्कि उन्हें अपने विषय के अध्ययन में सहायता मिलती है। इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कभी–कभी विषय विशेषज्ञ या परीक्षा टॉपर मौजूद होते हैं, जो आपकी शंकाओं को दूर करने और तैयारी के महत्वपूर्ण चरण के लिए आपमें आत्मविश्वास जगाने की मदद करते हैं। यह शिक्षा में सोशल मीडिया की भूमिका को दर्शाता है।

मेड ईजी स्टूडेंट पोर्टलः– मेड ईजी स्टूडेंट पोर्टल एक ऐसा मंच है जहॉ छात्रों को एक दूसरे के साथ, संस्थाओं के वरिष्ठ शिक्षकों और टॉपर्स के साथ बातचीत करने के विभिन्न अवसर प्रदान करता है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहॉ छात्र कोई भी प्रश्न पोस्ट कर सकते हैं व अन्य छात्रों के साथ बातचीत कर सकते हैं। यह प्लेटफार्म परीक्षार्थीयों को परीक्षा की जानकारी, पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार, उत्तरों और अपेक्षित कट–ऑफ के बारे में जानकारी प्रदान करता है। सोशल मीडिया कभी भी पारंपरिक कक्षाओं का

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED JOURNAL
Volume 08, Issue 02, July 2025

स्थान नहीं ले सकता, फिर भी यह विद्यार्थियों की तैयारी मैं तेजी लाने में उत्प्रेरक का कार्य करता है। इसलिए डिस्टली कारण की ओर बढती दुनिया में यह जरूरी है कि विद्यार्थी सोशल मीडिया का सर्वोत्तम उपयोग करें और शिक्षा में सोशल मीडिया की भूमिका को समझे।

लाभ :– शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया अनेक लाभ प्रदान करता है और यह पहचाना महत्वपूर्ण है कि शिक्षक के संदर्भ में कौन से लाभ सर्वाधिक उपयोगी हो सकते हैं। सोशल मीडिया छात्रों को किसी भी समय और कहीं से भी प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर एक साथ काम करने की सुविधा देता है। गूगल क्लासरूम या ऐड मोटा जैसे प्लेटफार्म में सामाजिक सुविधा हैं, जो वास्तविक समय के सहयोग को सुविधाजनक बनाते हैं, जिससे सीखने की प्रक्रिया समृद्ध होती है। मल्टीमीडिया सामग्री वीडियो चित्र प्रस्तुतियां साझा करने की क्षमता छात्रों को खुद को अधिक रचनात्मक तरीकों से व्यक्त करने की अनुमति देता है इसके अलावा बशर्ते की सूचना के जिम्मेदार और आलोचनात्मक और आलोचनात्मक उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए विभिन्न स्रोतों से डाटा का विश्लेषण आलोचनात्मक सोच के विकास को बढ़ावा देता है। सोशल मीडिया कक्ष में सीखी गई बातों को पूरक और समृद्ध करने के लिए असम के शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है, जिसमें यूट्यूब पर ट्यूटोरियल से लेकर इंस्टाग्राम पर स्ट्रीमिंग कॉन्फ्रेंस तक शामिल है।

सोशल मीडिया का उपयोग छात्रों को बुनियादी डिजिटल कौशल विकसित करने में मदद कर सकता है जो उनके शैक्षणिक जीवन और उनके पेशेवर भविष्य दोनों के लिए मौलिक है।

नुकसान :– यद्यपि यह सच है कि सोशल मीडिया कई लाभ प्रदान करता है लेकिन इसके कई नुकसान भी है जिन पर छात्रों की शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित होने से बचने के लिए ध्यान देने की आवश्यकता है। लगातार ध्यान भटकना मुख्य समस्याओं में से एक है। ध्यान भटकना लगातार सूचनाओं और फीड चेक करने का प्रलोभन एकाग्रता को प्रभावित कर सकता है , जिससे उत्पादकता कम हो सकती है। सोशल मीडिया का उपयोग सुरक्षा एवं गोपनीयता से संबंधित जोखिम भी उठा सकता है। अनुचित सामग्री साइबर बुलिंग या यहां तक की पहचान की चोरी के संपर्क में आने के कारण इस कारण से युवाओं को ऑनलाइन अपने व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करना बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि सोशल मीडिया संचार को आसान बनाता है, लेकिन यह कभी–कभी सतही या सीमित हो सकता है। अपनी प्रकृति के कारण ऑनलाइन आदान–प्रदान में वह गहराई नहीं होती जो आमने–सामने की बातचीत में होती है जिससे पारस्परिक संबंध हो पर असर पड़ सकता है। सोशल मीडिया पर गलत सूचना व नकली जानकारी एक बड़ी समस्या है। गलत का जानकारी का ग्रहण करके छात्र भ्रमित हो सकते हैं, जिससे उनके संज्ञानात्मक विकास में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

निष्कर्षः– सोशल मीडिया उच्च शिक्षा में अनेक संभावनाएँ प्रदान करता है। जैसे संवाद की तीव्रता अधिगम की सुलभता और रचनात्मक अभिव्यक्ति। लेकिन इसके साथ–साथ ध्यान भटकाव गलत सूचना और गोपनीयता जैसी समस्याएँ भी जुड़ी हैं। इसलिए शिक्षकों और छात्रों दोनों को इसके विवेकपूर्ण और नियंत्रित प्रयोग की आवश्यकता है।

सुझाव :–

- शिक्षण–प्रशिक्षण में सोशल मीडिया का जिम्मेदार और उद्देश्यपूर्ण समावेश हो।
- छात्रों को सूचना सत्यापन और डिजिटल साक्षरता में प्रशिक्षित किया जाए।

eISSN 2581-8996
ONLINE
INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY SCIENCES (IJARMS)
A BI-ANNUAL, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED JOURNAL
Volume 08, Issue 02, July 2025

- नीतिगत दिशानिर्देश तैयार किए जाएँ जो सोशल मीडिया के शैक्षणिक उपयोग को नियंत्रित करें।
- शिक्षक सोशल मीडिया को शिक्षण रणनीति का हिस्सा बनाएं न कि केवल संवाद का माध्यम।

सन्दर्भ गन्थ्र सूची :–

- द्विवेदी,किरण– शिक्षा में नवाचार, ठाकुर पब्लिकेशन, 2021।
- कुमार विक्रमादित्य– ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली,मार्च 2021।
- Varghese Deepa – Digital Cultural and Socaial Media on Education ,Jan 2021 ISBN-B : 978-9391450052.
- पी0डी0 पाठक– अद्यिगम एवं शिक्षण, श्री बिनोद पुस्तक मन्दिर, 2020।
- श्रीवास्तव, मुकुल और सुरेन्द्र कुमार (2017) में प्रकाशित लेख–''सोशल मीडिया और युवा विकास'', मीडिया मीमांसा जनवरी–मार्च–2017।
- Morris, D. (2018). Education, media literacy, and the digital age. Journal of Media Literacy Education, 10(2), 1–5.
- राबिया इत्यादि (2020), ''पाकिस्तान के छात्रों की शैक्षणिक प्रदर्शन पर मीडिया के प्रभावों की जाँच'', सांइटीफिक रिसर्च एन अकेडमिक पब्लिशर्स, खण्ड–11, अंक–3।
- शर्मा, प्रांजल एवं जैन, मनीषा (2022), ''सोशल मीडिया का उच्चतर माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों पर प्रभाव का एक अध्ययन'', शोध समागम, आइएसएसएन 2581–6918 ।